



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 444]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 25, 1994/कार्तिक 3, 1916

No. 444] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 25, 1994/KARTIKA 3, 1916

कार्मिक, लोक शिक्षा और पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1994

मा. का. नि. 774 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 13) की धारा 36क के साथ पठित धारा 36 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कर्मचारिवृन्द) (सेवा की शर्तें) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कर्मचारिवृन्द) (सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1994 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1992 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कर्मचारिवृन्द) (सेवा की शर्तें) नियम, 1985 की अनुसूची में, क्रम संख्यांक 17, 18 और 19 तथा उनमें संबंधित प्रविष्टियों

के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

क्रम संख्या	पद का नाम	वेतनमान
17.	सहायक	1640-2900 रु.
18.	कोर्ट मास्टर	1640-2900 रु.
19.	आशुलिपिक श्रेणी "ग"	1640-2900 रु."

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के कुछ आशुलिपिक श्रेणी "ग"/कोर्ट मास्टर और सहायकों ने अपने वेतनमान को 1400-2600 रु. से 1640-2900 रु. में पुनरीक्षित करने के लिए केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के समक्ष आवेदन फाइल किया था। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (प्रधान न्यायाधीश) ने तारीख 4 फरवरी, 1993 के अपने निर्णय में केन्द्रीय सरकार को यह निदेश दिया था कि वह अधिकरण के सहायकों/आशुलिपिक श्रेणी "ग" के वेतनमानों का कम से कम सैद्धान्तिक रूप से, 1 जनवरी, 1986 से और प्रभावी रूप से, ऐसी तारीख जो

1 जनवरी, 1992 के पश्चात् ही (अर्थात्, संशोधित आवेदन फाइल करने की तारीख से एक वर्ष पूर्व) 1640-2900 रु. के वेतनमान में पुनरीक्षण करने पर विचार करें। बाव में कुछ आवेदकों ने अवमान याचिकाएं भी फाइल की थीं। सरकार द्वारा इस विषय पर एक बार फिर से पड़ताल की गई और उन मामलों में अधिकरण द्वारा सिविल अवमान याचिका की सुनवाई के दौरान किए गए संप्रेशण का अनुपालन करते हुए सरकार द्वारा यह विनिश्चय किया गया कि केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आणुलिपिक श्रेणी "ग"/कोर्ट मास्टर और सहायकों के वेतनमानों को 1 जनवरी, 1992 में पुनरीक्षित किया जाए। तदनुसार, केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कर्मचारिन्द्) (सेवा की शर्तें) नियम, 1985 को, भूतलक्षी प्रभाव से, अर्थात् 1 जनवरी, 1992 में ही संशोधित किया जा रहा है। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन संशोधनों का भूतलक्षी प्रभाव देने से इन पदों के धारकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. ए-12011/7/93-ए.टी.]  
यू. एस. निवारी, अवसर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. 825 (अ), तारीख 31 अक्टूबर, 1985 द्वारा राजपद में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका सा. का. नि. 843 (अ), तारीख 14 नवम्बर, 1985 और सा. का. नि. 349 (अ), तारीख 31 मार्च, 1987 द्वारा संशोधन किया गया।

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC

### GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th October, 1994

G.S.R. 774(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Section 36 read with Section 36A of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Administrative Tribunal, (Staff) (Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Administrative Tribunal (Staff) (Conditions of Service) Amendment Rules, 1994.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1992.

2. In the Schedule to the Central Administrative Tribunal (Staff) (Conditions of Service) Rules, 1985, for serial numbers 17, 18 and 19 and the entries relating thereto the following serial numbers and entries shall be substituted namely :—

Sl. No.	Name of the Post	Scale of Pay
17.	Assistant	Rs. 1640-2900
18.	Court Master	Rs. 1640-2900
19.	Stenographer Grade 'C'	Rs. 1640-2900

### Explanatory Memorandum :—

Certain Stenographers Grade 'C'/Court Masters and Assistants in the Central Administrative Tribunal had filed Applications before the Central Administrative Tribunal for revision of their pay scale from Rs. 1400-2600 to 1640-2900. The Central Administrative Tribunal (Principal Bench) in its judgement dated the 4th February, 1993 directed the Central Government to consider the revision of pay scales of Assistants/Stenographers Grade 'C' in the Tribunal to Rs. 1640-2900 from 1st January, 1986, at least notionally and effectively from a date not later than 1st January, 1992 (i.e. one year prior to the date of filing of the amended application). Subsequently, contempt petitions were also filed by some of the applicants. The matter has once again been examined by Government and in deference to the observations made during the course of hearings of the Civil Contempt Petitions by the Tribunal in those cases, it was decided by the Government to revise the pay scales of Stenographers Grade 'C'/Court Masters and Assistants in the Central Administrative Tribunal with effect from 1st January, 1992. The Central Administrative Tribunal (Staff) (Conditions of Service) Rules, 1985 are being amended accordingly with retrospective effect, i.e., on and from the 1st January, 1992.

It is certified that the interests of the holders of these posts will not be adversely affected by these amendments being given retrospective effect.

[No. A-12011/7/93-AT]

U. S. TIWARI, Under Secy.

Foot Note : The Principal Rules were published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 825(E), dated 31st October, 1985 and amended by GSR No. 843(E), dated 14-11-1985 and G.S.R. No. 349(E), dated 31-3-1987.